वर्ष 2013–14 की विशेष उपलब्धियां (कृषि अभियांत्रिकी)

1.**माननीय मुख्यमंत्री जी की घोषणा कमांक ए–2870 "किराये पर कृषि यंत्र उपलब्ध कराने के लिये कस्टम हायरिंग केन्द्रों की स्थापना ।"** – निजी क्षेत्रो में कस्टम हायरिंग केन्द्रों की स्थापना हेतु **"कृषि यंत्रीकरण को प्रोत्साहन की नवीन राज्य योजना "** वर्ष 2012–13 में प्रारंभ कर दी गयी है, वर्ष 12–13 में 67 एवं 13–14 में 219 केन्द्र स्थापित किये जा चुके हैं ।

2.**माननीय मुख्यमंत्री जी की घोषणा कमाक ए– 2868 "धान की फसल में अधिक पैदावार प्राप्त करने हेतु एस आर आई पद्वति को बढ़ावा दिया जावेगा"**– विभाग द्वारा एस आर आई पद्वति को बढ़ावा देने हेतु वर्ष 2013–14 में 20000 कोनोवीडर एवं 10000 मार्कर कृषकों को उपलब्ध कराये गये हैं ,परिणामस्वरूप एस.आर.आई.पद्वति को 1.80 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में फैलाया जा सका है ।

3.**माननीय मुख्यमंत्री जी की घोषणा कमांक ए–2869 अनुसार किसानों के पास उपलब्ध बीज के बीजोपचार हेतु 20 हजार सीड ट्रीटिंग ड्रम एवं ग्रेडेड सीड तैयार करने के लिये 20 हजार स्पायरल ग्रेडर की ,व्यवस्था ग्रामो में की गयी ।**

4.**माननीय मुख्यमंत्री जी की घोषणा कमांक ए–2867 " छिटका पद्वति को समाप्त करने के लिये बुन्देलखण्ड क्षेत्र में 75 करोड़ की योजना 3 वर्ष में कियान्वित की जावेगी "** – के अन्तर्गत विभाग द्वारा प्रदेश में बुन्देलखण्ड ,बघेलखण्ड एवं जबलपुर संभाग के मण्डला,डिण्डोरी तथा छिन्दवाड़ा जिलों में प्रचलित छिटका पद्वति को समाप्त कर कतार बुवाई को प्रोत्साहन के लिये 4500 सीड कम फर्टीलाईजर ड्रिल का वितरण वर्ष 2013–14 मे किया गया है ।

5.प्रदेश में रिज–फरो पद्वति के विस्तार हेतु कार्यकम बनाया जाकर 50,000रिज फरो का अनुदान पर वितरण कराया गया। परिणामस्वरूप खरीफ का 32 लाख हैक्टेयर क्षेत्र रिजफरो के अन्तर्गत लाया जा सका है ।

6. कृषि यंत्रीकरण के लाभ को दर्शाने के लिये यंत्रदूत ग्राम योजना प्रारंभ की गयी है जिसके अन्तर्गत वर्ष में कुल 139 यंत्रदूत ग्राम विकसित किये गये । प्राप्त परिणामों के आधार पर इन ग्रामों की उत्पादकता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है ।

7. हलधर योजनान्तर्गत कृषकों के 73000 हैक्टेयर रकबे में गहरी जुताई की गयी ,जिसके फलस्वरूप उत्पादकता में वृद्वि हुयी ।